

इस्लाम प्रश्न और उत्तर

जनरल पर्यवेक्षक : शैख मुहम्मद सालेह
अल-मुनज्जिद

979 - तवस्सुल के प्रकार

प्रश्न

प्रश्न : तवस्सुल के प्रकार क्या हैं ?

विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और स्तुति अल्लाह के लिए योग्य है।

'तवस्सुल' और 'वसीला' से निम्नलिखित चार चीजों में से कोई एक चीज मुराद होती है :

प्रथम : जिस के बिना ईमान सम्पूर्ण नहीं हो सकता, और वह अल्लाह तआला की तरफ उस पर और उसके रसूल पर ईमान रखने, तथा उस की और उसके रसूल की इताअत करने का वसीला लेना है, और यही अल्लाह तआला के इस कथन का अभिप्राय है : "हे मुसलमानो ! अल्लाह तआला से डरते रहो और उसकी ओर नज़दीकी हासिल करने की कोशिश करो।" (सूरतुल माईदा : 35)

और इसी क्रिस्म में अल्लाह की तरफ उस के नामों और गुणों का वसीला लेना, तथा उस की तरफ ऐसी नेकियों का वसीला लेना भी दाखिल है जिन्हें वसीला लेने वाले ने की हैं, वह इनके द्वारा अल्लाह तआला से दुआ करे।

दूसरी : अल्लाह की तरफ रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ज़िन्दगी में आप की दुआ का वसीला लेना, तथा मोमिनों का एक दूसरे से अपने लिये दुआ की मांग करना, यह पहली क्रिस्म के अधीन है और इसकी अभिरूचि दिलाई गयी है।

तीसरी : मख्लूक की जाह (पद) और उनकी ज़ात का वसीला लेना, उदाहरण के तौर पर यह कहना : ऐ अल्लाह ! मैं तेरी तरफ तेरे नबी की जाह के द्वारा मुतवज्जेह होता हूँ, तो इसे कुछ विद्वानों ने जाइज़ ठहराया है, किन्तु यह कमज़ोर बात है, ठीक बात यह है कि यह निश्चित रूप से हाराम और निषिद्ध है ; क्योंकि दुआ के अंदर अल्लाह की तरफ केवल उसके नामों और गुणों का वसीला लिया जा सकता है।

चौथी : बहुत से मुताख्खेरीन (बाद में आने वाले लोगों) के यहाँ प्रचलित तवस्सुल का मतलब : नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को पुकारना और आप से फर्याद करना, तथा मृतकों और औलिया से फर्याद करना है। अतः यह शिर्क अकबर (बड़ा

इस्लाम प्रश्न और उत्तर

जनरल पर्यवेक्षक : शैख मुहम्मद सालेह
अल-मुनज्जिद

शिरक) है, क्योंकि ऐसी चीज़ के अन्दर दुआ और फर्याद करना जिस पर केवल अल्लाह तआला ही शक्ति रखता है, इबादत है। अतः उसे अल्लाह के अलावा किसी अन्य के लिए करना शिरक अकबर है। और अल्लाह ही सर्वश्रेष्ठ जानता है।